भजन

तर्ज– अखियों के झरोखों से

तेरी वाणी का रस पीके,मैने देखा जो सांवरे
नजदीक नजर आयें,पिया पास नजर आयें
ऐसा है लगा मुझको,दिल मोमन हैंअर्श तेरा
मेरा अंग अंग मुस्काये,बड़े पास नजर आयें

1–तेरी वाणी ही तेरी हकीकत है,मिली निसवत तो जान गई
तेरा इश्क ही इश्क भरा इसमें,यह अब पेहेचान गई
ऐसे मीठे ये बोल पिया,सुन सुन तड़पे मोरा जीया
ऐसी मदहोशी छा जाये,पलकें बंद हों जायें

2–बंद करके मैं पलको को अपनी,जब ध्यान धरूं तेरा
आनंद सागर में नहाऊं मैं,तेरा प्यार बड़ा गहरा
जबसे तेरी वाणी मिली,सुख देने अखंड चली
दुख दूर दूर जायें,पिया पास नजर आयें

3– इसकी गहराई की थाह नहीं,कोई पार न पा है सका
ब्रहमा विष्णु महेश ध्याएं मगर,कोई दर्श न पा सका
तेरी रूहें ही अपनी,तेरी मेहर से जान गई
तुम उनके लिए आये,बड़े पास नजर आये